न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
NUCLEAR POWER CORPORATION OF INDIA LIMITED
(भारत सरकार का उद्यम A Government of India Enterprise)
निगम योजना एवं निगम संचार
(Corporate Planning & Corporate Communications)

Wow moments for Pharmacy College on Haryana-Punjab border as NPCIL allays fears of radiation

Why do medical workers such as nurses, midwives, pharmacists and technicians need to understand the effects of various exposures to radiation?

The need was expressed by several doctors whom NPCIL has addressed during its several Doctors' Meets. Evidently, the answer too came from them.

Because medical workers express grudge and show resistance when asked to work in radiation zones of Hospitals and Nursing Homes for fear of contracting cancers or other debilitating diseases. If their own fears are somehow alleviated, they could, in turn, influence patients and people in their professional sphere not to be swayed by interested groups that revile nuclear plants as sources of potential harm to people and the environment.

With this end in view, an awareness programme was conducted at Maa Saraswati College of Pharmacy in Abohar town on Punjab-Haryana border- on 24th March by PD(GHAVP) and representative of CP&CC. Around 100 pharmacists and nursing students were sensitized to the ubiquitous nature of radiation; scientific information on the innocuousness and harmlessness of normal exposures to radiation, radiation around nuclear plants, etc was shared.

The college authorities expressed their profoundest gratitude to the Management of GHAVP and NPCIL for the initiative to clarify concepts that would stick for a lifetime and also empower the attendees to influence public opinion in the region.

The realms of awareness activity at GHAVP have begun to shift from their epicenter in Hissar to fields on the fringes, thereby bolstering NPCIL's outreach achievements and outcomes.

(S.Sharma)
CP&CC Directorate

जब एनपीसीआईएल द्वारा विकिरण के प्रति भय को दूर किया गया तो हरियाणा-पंजाब सीमा पर फार्मेसी महाविद्यालय का वातावरण हर्षोल्लास से सराबोर हो गया।

चिकित्सा कार्मिकों जैसे नर्स, दाई, फार्मासिस्ट एवं तकनीशियनों के लिए विभिन्न तरीकों से मिलने वाले विकिरण के प्रभावों को समझना क्यों आवश्यक है?

इसकी आवश्यकता कई चिकित्सकों द्वारा महसूस की जा रही थी और उन चिकित्सकों के एक सम्मेलन के दौरान एनपीसीआईएल ने इसका निवारण किया। संयोगवश उत्तर भी वहीं से आया।

क्योंकि जब चिकित्सा कार्मिकों से विकिरण क्षेत्र में अवस्थित चिकित्सालयों और प्रसूतिगृहों में कार्य करने के लिए कहा गया तो कैंसर या अन्य निस्तेज कर देने वाले रोगों के डर से उन्होंने अपनी अनिच्छा और विरोध जताया था। यदि उनका स्वयं का डर किसी प्रकार दूर हो जाए, तो वे रोगियों और दूसरे लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं ताकि वे ऐसे लोगों के बहकावे में न आएं जो न्यूक्लियर संयंत्रों को लोगों और पर्यावरण के लिए खतरा बताकर उनकी निंदा करते हैं।

इस दृष्टिकोण से परियोजना निदेशक (जीएचएवीपी) और सीपी एंड सीसी के प्रतिनिधियों द्वारा 24 मार्च को पंजाब-हरियाणा सीमा पर अबोहर टाउन में मा सरस्वती फार्मेसी महाविद्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लगभग 100 फार्मासिस्ट व नर्सिंग विद्यार्थियों को विकिरण की सर्वव्यापी प्रकृति;सामान्य रूप से प्राप्त होने वाला विकिरण,न्यूक्लियर संयंत्रों के आसपास विकिरण हानिकारक नहीं है, इस आशय की तथ्यपरक जानकारीसाझा की गई।

महाविद्यालय के प्राधिकारियों ने अपने जीएचवीपी व एनपीसीआईएल प्रबंधन के प्रति इस अवधारणा को स्पष्ट करने की उनकी पहल के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की जो उनकी स्मृति में आजीवन रहेगी और उस क्षेत्र के लोगों की आम धारणा को बदलने में यहाँ उपस्थित लोगों को सशक्त करेगी।

जीएचएवीपी में जागरूकता कार्यकलापों का क्षेत्र हिसार में अपने केंद्र से दूर-दराज के क्षेत्रों तक फैलना प्रारंभ हो गया है, जिससे एनपीसीआईएल की जनजागरूकता उपलब्धियों और परिणामों को प्रोत्साहन मिलेगा।

(सुदेश शर्मा)
सीपी एंड सीसी

.

Dr.Vivek introduces the topic of discussion and the speakers

P.D, GHAVP, Sh.R.K.Khera highlighting nuclear energy's benefits

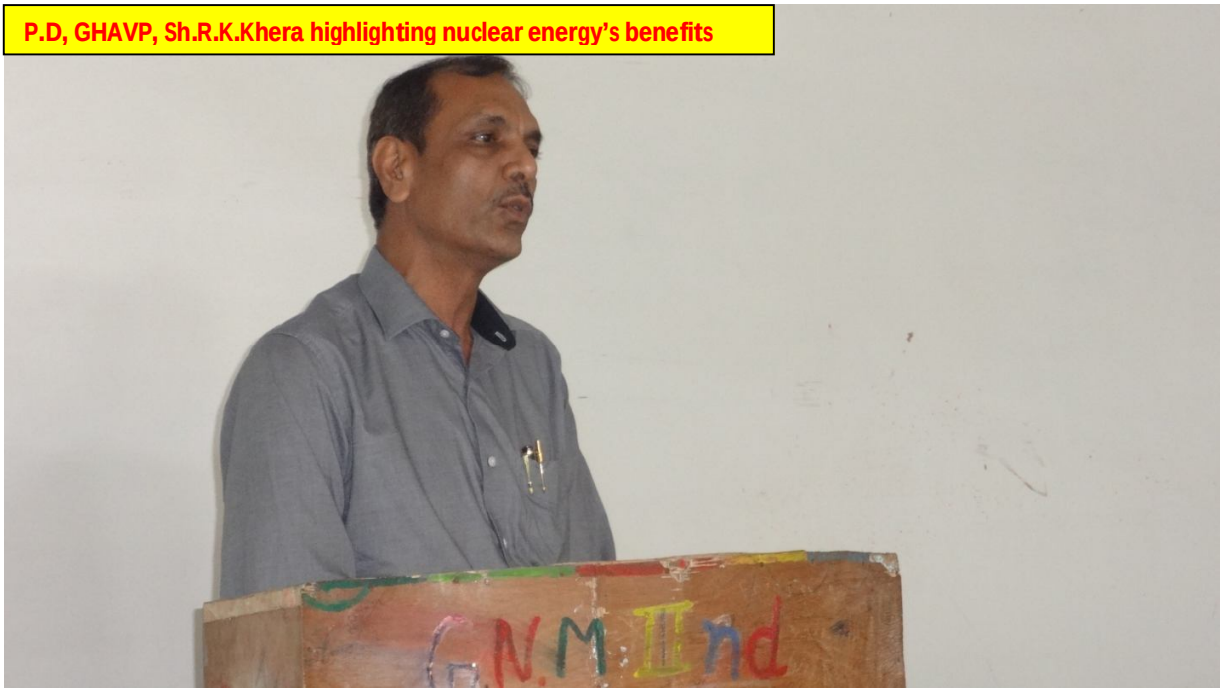

CP&CC REPRESENTATIVE DELIVERING THE PRESENTATION

THE BATCH SENSITIZED BY NPCIL

MAA SARASWATI
INSTITUTE OF
PHARMACEUTICAL SCIENCES
VPO KALA TIBBA, SITTO ROAD, ABOHAR
Ph.: 01634-234570
e-mail id: msipsabohar@gmail.com